'वित्त वर्ष 2016-17 के लिए इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड की
वार्षिक रिपोर्ट तथा ऑडिटेड लेखा की समीक्षा

पृष्ठभूमि

इरकॉन की टर्नकी आधार पर तथा अन्य रूप में रेलवे और राजमार्ग निर्माण के क्षेत्र में विशेषज्ञता के साथ देश की सार्वजनिक क्षेत्र की निर्माण कंपनियों के बीच एक योग्य क्षेत्रगत नायक के रूप में दीर्घ कालीन प्रतिष्ठा है। कंपनी, 15 मई 2006 से अनुसूची 'क' कंपनी है और वर्ष 1998 से मिनी रत्न श्रेणी-1 कंपनी है।

वित्तीय विशेषताएं

वर्ष 2016-17 के दौरान, इरकॉन ने 3254 करोड़ रूपए का टर्नओवर हासिल किया, जो पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 14 प्रतिशत अधिक है और कंपनी ने 532 करोड़ रूपए का करपूर्व लाभ प्राप्त किया है, जो कि पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 12 प्रतिशत कम है। यह कमी वर्ष 2015-16 के दौरान मोजांबिक सरकार के साथ करार निपटान पर व्यापक आय की स्वीकृति के कारण थी।

इरकॉन ने प्रदत्त शेयर पूंजी के 550 प्रतिशत की दर पर 192.40 करोड़ रूपए के कुल लाभांश का भुगतान किया है जो वर्ष 2016-17 के लिए पश्च् कर-पूर्व लाभ का 52.15 प्रतिशत है।

वर्ष 2015-16 की तुलना में वर्ष 2016-17 के लिए कंपनी के वित्तीय निष्पादन के कुछ महत्वपूर्ण सूचक निम्नानुसार हैं:

(रूपए करोड़ में)

विवरण	2016-17	2015-16
1. कुल आय (सकल बिक्री)	3254	2860
2. कुल परिचालनिक आय	2995	2419
3. कर पूर्व लाभ	532	602
4. कर पश्चात लाभ	369	395
5. शुद्ध संपत्ति	3828	3667

प्रचालनिक विशेषताएं

चार प्रमुख चालू विदेशी परियोजनाओं में से, दो परियोजनाएं बांग्लादेश में तथा एक-एक परियोजना अल्जीरिया और दक्षिण अफ्रीका में है। ये परियोजनाएं हैः (क) बांग्लादेश - (i) इशरूदी-दरसाना खंड के बीच 11 स्टेशनों में कम्प्यूटर आधारित इंटरलॉकिंग कलर लाइट

सिगनलिंग प्रणाली का डिजाइन और संस्थापन, तथा (ii) बांग्लादेश रेलवे के लिए खुलना-मोंग्ला पोर्ट रेल लाइन की निर्माण परियोजना के अंतर्गत इम्बैंकमैंट, रेलपथ का निर्माण, सभी सिविल कार्य, बड़े व छोटे पुलों (रूपसा को छोड़कर) तथा पुलिया के कार्य और ईएमपी का कार्यान्वयन, (ख) अल्जीरिया-दोहरी रेलपथ लाइन का संस्थापन; और(ग) दक्षिण अफ्रीका-मजूबा रेल लाइन परियोजना।

भारत में प्राप्त की गईं और निष्पादित की जा रही प्रमुख परियोजनाओं में शामिल हैं छत्तीसगढ राज्य में गेवरा रोड से पेंड्रा रोड के बीच पूर्वी-पश्चिमी गलियारे के गलियारा-।।। का निर्माण और छत्तीसगढ राज्य में व्यवहार्यता अध्ययन; आरडीयूएम-टीएएल-आरजेओ (रामपुर दुमरा ताल राजेन्द्रपुल) परियोजना, क्यूल गया, हाजीपुर-बछवाड़ा, कटनी-सिंगरौली परियोजना; झारखंड, ओडिशा तथा छत्तीसगढ राज्यों में रेल कोयला संपर्कता परियोजना (परियोजनाओं) का निष्पादन।

नगरनार, छत्तीसगढ में प्रस्तावित एकीकृत इस्पात संयंत्र के लिए निजी रेल साइडिंग के निर्माण के संबंध में सिविल तथा रेल संबद्ध कार्यों का निष्पादन; अखौरा-अगरतला रेल लिंक परियोजना; वैतरणा - सचिन खंड में डेडीकेटिड फ्रेट कॉरिडोर परियोजना के डिजाइन, सिविल भवन का निर्माण और रेलपथ कार्य; राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) मिजोरम के बाहरी विकास कार्य और बाह्य सेवाओं के अभिकल्प, आरेखण और निर्माण से संबंधित अतिरिक्त कार्य; कर्नाटक राज्य में राष्ट्रीय राजमार्ग 48 के दावणगेरे-हावेरी खंड को छह लेन का बनाना; तथा पूर्व मध्य रेलवे के लिए बिहार राज्य में (12 नए उपरि सड़क पुल) ऊपरि सड़क पुलों (आर.ओ.बी.) के निर्माण का अतिरिक्त कार्य।

भारत में निष्पादित की जा रही अन्य परियोजनाओं में शामिल हैं: जम्मू और कश्मीर में धरम से काजीगुंड तक नई बड़ी रेल लाइन; रायबरेली, उत्तर प्रदेश में नया रेल डिब्बा कारखाना; छत्तीसगढ राज्य में पूर्वी कॉरीडोर का कॉरीडोर-। का निर्माण; सिवोक-रंगपो नई रेल लाइन परियोजना; बिहार और राजस्थान राज्यों में उपरि सड़क पुलों का निर्माण; राजस्थान राज्य में राष्ट्रीय राजमार्ग-15 के बीकानेर-फलौदी खंड को चौड़ा करना व सुदृढ़ीकरण; मध्यप्रदेश राज्य में राष्ट्रीय राजमार्ग-3 के शिवपुरी-गूना खंड को चार लेन का बनाना; झारखंड और बिहार राज्यों में प्रधान मंत्री ग्रामीण सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के अंतर्गत ग्रामीण सड़कों का निर्माण/उन्नयन; जम्मू और कश्मीर राज्य में जम्मू प्रांत में आरएपीडीआरपी परियोजना; जयनगर (भारत) - बीजलपुरा (नेपाल) के बीच तथा जोगबनी (बिहार), भारत तथा बीराटनगर (नेपाल) के बीच रेल संपर्क, बोंडामुंडा, दौंड और मुगलसराय में विद्युत रेलइंजन शेड; शालीमार में कोचिंग टर्मिनल; संतरागाछी में परिपथन क्षेत्र का विकास और कोना एक्सप्रेस-वे के लिए अनिवार्य यात्री सुविधाएं तथा सड़क संपर्कता; दिल्ली मेट्रो के लिए मेट्रो से संबंधित कार्य आदि।

वर्ष 2016-17 की समाप्ति के पश्चात प्राप्त प्रमुख परियोजनाओं में शामिल हैं: विशाखापत्तनम में डीजल इंजन शेड का संवर्धन कार्य; पश्चिम मध्य रेलवे के लिए कटनी ग्रेड सेपरेटर; सफदरजंग रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास; कटनी-सिंगरौली के लिए रेल विद्युतीकरण कार्य; और सिगनलिंग सहित मथुरा-कासगंज-कल्याणपुर रेल विद्युतीकरण परियोजना।

वर्ष के दौरान, कंपनी ने **भूटान और बांग्लादेश** में दो परियोजनाएं पूरी की हैं अर्थात् (क) भूटान - मौजूदा उप-स्टेशन को तोड़ने के लिए टर्नकी परियोजना और पारो में उप-स्टेशन के अभिकल्प, इंजीनियरिंग, निर्माण, आपूर्ति, संस्थापन, परीक्षण और शुरू करने का कार्य: तथा (ख) बांग्लादेश - दूसरे भैरब रेल पुल का निर्माण।

कंपनी ने **भारत में भी दो परियोजनाओं** को पूरा किया है यथा कोच्ची मेट्रो रेल लिमिटेड के लिए अलुवा से पेट्टा कॉरीडोर के एलिवेटिड खंड में स्टैंडर्ड आमान के गिट्टीरहित रेलपथ हेतु केटी-4 संविदा और कोच्ची मेट्रो रेल लिमिटेड के मट्टम डिपो में स्टैंडर्ड आमान के रेलपथ के कार्य के लिए केटी-5आर1 संविदा।

बुक किए गए आर्डर

वर्ष के दौरान, कंपनी ने 6,030 करोड़ रूपए मूल्य के नए कार्य प्राप्त किए हैं, जिसके परिणामस्वरूप 31 मार्च 2017 को 18,878 करोड़ रूपए का कार्यभार हो गया है। वर्ष की समाप्ति के बाद, 30 जून,2017 तक प्राप्त किया गया कुल कार्यभार 20,010 करोड़ रूपए का हो गया है।

निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व और धारणीयता

कंपनी ने निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहलकदमियों पर 5.89 करोड़ रूपए की राशि खर्च की है, जिनमें व्यापक स्तर पर स्वास्थ्य, शिक्षा, ग्रामीण अवसंरचना विकास, पर्यावरण, भिन्न रूप से सक्षम व्यक्तियों को सुविधाएं, रोजगार शिक्षा बढ़ाने तथा अवसंरचना विकास क्षेत्र शामिल हैं।

सहायक तथा संयुक्त उद्यम कंपनिया

वर्ष के दौरान, इरकॉन द्वारा 26 प्रतिशत की इक्विटी भागीदारी के साथ छत्तीसगढ राज्य में कोयला संपर्कता परियोजना को कार्यान्वित करने के लिए 5 मई 2016 को "बस्तर रेलवे प्राइवेट लिमिटेड (बीआरपीएल)" नामक संयुक्त उद्यम कंपनी का गठन किया।

वर्ष की समाप्ति के पश्चात, राष्ट्रीय राजमार्ग 48 (पुराना राष्ट्रीय राजमार्ग-4) के विकास, अनुरक्षण और प्रबंधन के व्यवसाय को करने के लिए 11 मई 2017 को "इरकॉन दावणगेरे हावेरी हाइवे लिमिटेड (इरकॉनडीएचएचएल)" नामक पूर्ण स्वामित्व वाली एक सहायक कंपनी का गठन किया गया।

इसके अलावा, वर्ष के दौरान, इरकॉन ने निम्नलिखित कंपनियों में अपने भाग का विनिवेश किया है:

(i) रियायत को समाप्त करने संबंधी विवाद के संबंध में मोजांबिक सरकार के साथ 21 अक्तूबर 2015 को करार निपटान की शर्तों के अनुसार भुगतान की प्राप्ति के परिणामस्वरूप मोजांबिक में बेरा रेल रियायत परियोजना के निष्पादन के लिए सृजित जेवीसी कंपनी डोस केमिनहोस डी फेरो डा बेरा एसए (सीसीएफबी) में 25 प्रतिशत का विनिवेश।

(ii) भारतीय रेलवे स्टेशन विकास निगम लिमिटेड (आईआरएसडीसी) (इरकॉन द्वारा धारित 51 प्रतिशत में से आरएलडीए को) के 1 प्रतिशत इक्विटी स्टेक का अंतरण ताकि दिनांक 10.04.2017 के रेलवे बोर्ड के पत्र की शर्तों के अनुसार आईआरएसडीसी को 50:50 की संयुक्त उद्यम कंपनी बनाया जा सके।

इन अनुवृद्धि/विनिवेश से, अब इरकॉन समूह में चार सहायक कंपनियां (यथा इरकॉन इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेस लिमिटेड, इरकॉन पीबी टोलवे लिमिटेड, इरकॉन शिवपुरी गूना टोलवे लिमिटेड तथा इरकॉन दावणगेरे हवेरी हाइवे लिमिटेड) तथा भारत में सात संयुक्त उद्यम कंपनियां (यथा, इरकॉन-सोमा टोलवे प्राइवेट लिमिटेड, भारतीय रेलवे स्टेशन विकास निगम लिमिटेड, छत्तीसगढ़ ईस्ट रेलवे लिमिटेड, छत्तीसगढ़ ईस्ट-वेस्ट रेलवे लिमिटेड, महानदी कोल रेलवे लिमिटेड तथा झारखंड सेंट्रल रेलवे लिमिटेड तथा बस्तर रेलवे प्राइवेट लिमिटेड) शामिल हैं।